23 दिसंबर 2013 नवभारत

पंचायत के संगठक नवनाथ मलगुंडे किया है.

लोकतंत्र में विश्वास जरूरी

लोकसभा टीवी के सलाहकार का मत

संवाददाता

पुणे. आज की राजनीति में देश के अलग-अलग प्रांतों से अलग-अलग धर्म व जाति के सांसद चुनकर संसद जाते हैं. विविध मुद्दों पर सवाल खड़े कर उनको न्याय दिलाने के लिए लड़ते हैं. यही लोकतंत्र का लक्षण है.इसलिये लोकतंत्र पर नितांत श्रद्धा रखिये. ऐसा मत लोकसभा टीवी के सलाहकार धीरज सिंह ने व्यक्त किया.

माईर्स एमआइटी स्कूल आफ गवर्मेंट व भारतीय छात्र संसद फाऊंडेशन, पुणे की तरफ से आयोजित 4 थे भारतीय छात्र संसद में वे बोल रहे थे.इस कार्यक्रम में विश्वशांति केंद्र, आलंदी व एमआइटी के संस्थापक प्रा. डा. विश्वनाथ कराड, विश्वशांति के कार्यकारी निदेशक डा संजय उपाध्ये एमआयटी स्कूल आफ बिजनेस के निदेशक प्रा. डी पी आपटे और मिटकॉम कालेज के प्राचार्य प्रा डा आर एम चिटणिस उपस्थित थे.

संसद देश के युवाओं के लिए पाठशाला

"सिंह ने कहा कि भारतीय छात्र संसद देश के युवाओं के लिए सबसे बड़ी पाठशाला है. लोकतंत्र मजबूत करने के लिए युवाओं को जागरूक किया जा रहा है. इसमें ज्यादा से ज्यादा युवाओं का भाग लेना जरूरी है. इससे राजनेताओं को जनता का सुख दुख पता चलेगा व उसका वे हल निकालेंगे. लोकतंत्र को मजबूत व समाज के हित के लिए युवाओं का राजनीति में भाग लेना जरूरी है.विश्वनाथ कराड ने कहा कि भारतीय छात्र संसद युवाओं में अस्मिता जगाने का काम करती है, इससे राष्ट्र बनाने का महान कार्य होगा."